Nai Dunia (Indore), 28th October 2022, P-06

'समाज को कुछ देने पर ही होगा सपना साकार'

आइआइटी ● ओरिएंटेशन कार्यक्रम में निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने विद्यार्थियों औ अभिभावकों को किया संबोधित

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) में पढ़ना विद्यार्थियों का सपना होता है। माता-पिता भी इस खास दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं। गुरुवार को आखिर वह दिन आ ही गया जब पहली बार विद्यार्थी और उनके माता-पिता भी आइआइटी परिसर में थे। इस वर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए आइआइटी में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने संबोधित किया तो कई अभिभावक भावुक हो गए। बीटेक के विद्यार्थियों को प्रो. जोशी ने कहा कि आपका जो सपना था वह अब पूरा होने जा रहा है, लेकिन यह सपना तब ही साकार हो पाएगा जब आप शिक्षा को गंभीरता से लेंगे और यहां से पढ़ाई पूरी करने के बाद समाज को कुछ देंगे। विद्यार्थियों को कम से कम एक ऐसे प्रोजेक्ट पर कार्य करना चाहिए जिससे सीधे तौर पर समाज का हित जुड़ा हो। आपको हमेशा ध्यान रहना चाहिए कि आप आइआइटी में क्यों हो और यहां से निकलने के बाद आपका मकसद क्या होगा। माता-पिता भी अपनी जिम्मेदारियों का ध्यान रखें। अपने बच्चों से रोजाना यह सवाल करें कि इंजीनियर के रूप में वे क्या करना चाहते हैं। समाज के लिए वे क्या करना चाहते हैं। वे आइआइटी में रहकर क्या सीख रहे हैं। इस तरह के सवाल पूछने से विद्यार्थी सक्रिय रहेंगे और रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित होंगे। इस वर्ष आइआइटी के विभिन्न कोर्सेस में 366 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के 82, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 84, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 89, सिविल इंजीनियरिंग में 55 और मेटलर्जी इंजीनियरिंग में 56 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

आइआइटी इंदौर में इस वर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को संबोधित करते संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी। ● सौ. संस्थान

विद्यार्थी जीवन कौशल की बातें साझा की जाएंगी

कोरोना महामारी के कारण करीब तीन वर्ष से आइआइटी में शिक्षा ले रहे कई विद्यार्थी अपने घर चले गए थे। संस्थान ने लगातार आनलाइन कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की पढ़ाई कराई। अब पुराने विद्यार्थी भी होस्टलों में वापस लौटने लगे हैं। महामारी के बाद पहली बार ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ ही माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। माता-पिता ने विद्यार्थियों के साथ परिसर का दौरा कर विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी ली।

पहली बार ओरिएंटेशन कार्यक्रम तीन दिन का हो रहा है। इसमें विद्यार्थी जीवन कौशल की बातें साझा की जाएंगी। साथ ही शैक्षणिक, अनुसंधान और विकास, विद्यार्थी कल्याण सुविधाएं, प्रशिक्षण व प्लेसमेंट, छात्रावास, चिकित्सा सुविधाएं, पुस्तकालय, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी।